उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

परीक्षा – मार्च, 2013

अंक योजना हिन्दी (केंद्रिक)

कूटबंध सं. 2/1, 2/2, 2/3

कक्षा – XII

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3	**खण्ड 'क'**	
1.					**1x5 = 5** अंक
(i)	✓	✓	✓	विकसित एवं विकासशील भारत, जिसके नायक हैं – धीर, वीर एवं गंभीर।	1
(ii)	✓	✓	✓	जितना कठिन खड्ग था कर में, उतना ही अंतर कोमल।	1
(iii)	✓	✓	✓	अनल एवं मधु के मिश्रण, तेज प्रखर नारी जैसा मन, एक नयन संजीवन। (**किन्हीं दो का उल्लेख**)	½ +½=1
(iv)	✓	✓	✓	• भारत माता या हिन्दुस्तान को। • भारत माँ वीरों की जननी हैं जो इसे विकास के पथ पर अग्रसर कराती हैं।	½ +½=1
(**v**)	✓	✓	✓	हम संपूर्ण भारतवासी हिन्दुस्तान की एक नई किरण, धीर, वीर, सैनिक, शांति दूत, गंगा, यमुना एवं महासागर के रखवाले, नई संजीवनी शक्ति देने वाले हैं। भारतवासियों की एक ललकार से संपूर्ण विश्व काँप उठता है। (**किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख**)	½ +½=1

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
2.					**15 अंक**
(क)	✓	✓	✓	पूर्व समय में मनोरंजन का उद्देश्य मनोरंजन। स्वरूप – धार्मिकता एवं सामाजिकता से मंडित। अब उद्देश्य केवल अर्थप्राप्ति।	**1+1=2**
(ख)	✓	✓	✓	पहले मनोरंजन स्वस्थ दृष्टिकोण का उन्नायक। अब केवल धन प्राप्ति का साधन।	**1+1=2**
(ग)	✓	✓	✓	व्यक्तित्व का विघटन, आदर्शों का विकृत रूप, अस्वस्थ अभिरुचि एवं दृष्टिकोण और काल्पनिक जीवन में जीने का स्वप्न दिखाता है। (**किन्हीं दो का उल्लेख)**	**1+1=2**
(घ)	✓	✓	✓	अस्वस्थ अभिरूचि एवं दृष्टिकोण को प्रोत्साहन तथा काल्पनिक जीवन में जीने के स्वप्न दिखाना।	**1+1=2**
(ङ)	✓	✓	✓	बड़े–बड़े नगरों की नृत्यशालाओं एवं नाइट क्लबों में मनोरंजन के नाम पर अश्लील गतिविधियाँ जो मनोरंजन के स्वस्थ स्वरूप को नष्ट कर रही हैं।	**1+1=2**
(च)	✓	✓	✓	अभद्र सिनेमा, नृत्यशालाएँ, फैशन परेड, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्ति व सामाजिक जीवन को विकृत कर रहे हैं।	**1+1=2**
(छ)	✓	✓	✓	मनोरंजन के आधुनिक साधन एवं उसके दुष्परिणाम **अथवा** वैज्ञानिक अनुसंधानों से मनोरंजन पर प्रभाव **अथवा** वैज्ञानिक	**1**

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				अनुसंधान और मनोरंजन। (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें)	
(ज)	✓	✓	✓	उद्योग + इक	½+½ = 1
(झ)	✓	✓	✓	आधुनिक परिवेश में मनोरंजन का उपलब्ध रूप हमारे व्यक्तित्व के गठन पर कुठाराघात है।	1
				खण्ड 'ख'	
3.	✓	✓	✓	**निबंध**	
				भूमिका/प्रस्तावना विषय–वस्तु भाषा–शैली और प्रस्तुतिकरण उपसंहार	1 3 ½ ½ } 5 अंक
4.	✓	✓	✓	**पत्र**	
				औपचारिकताएँ विषय–वस्तु भाषा–शैली और प्रस्तुतिकरण	1 3 1 } 5 अंक
5. (क)					1x5 = 5 अंक
(i)	✓	✓	✓	छपे हुए शब्दों में स्थायित्व, लिखित भाषा का विस्तार। (**किसी एक का उल्लेख**)	1
(ii)	✓	✓	✓	सनसनीखेज पत्रकारिता, व्यक्तिगत आरोप–प्रत्यारोपों, भंडाफोड़, चरित्र–हनन आदि। (**किन्हीं दो का उल्लेख**)	½+½ = 1

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
(iii)	✓	✓	✓	विचारपरक लेखन का महत्वपूर्ण रूप। लेखक के निजी विचारों का परिचायक।	**1**
(iv)	✓	✓	✓	समाचार लेखन में पहले इंट्रो, मध्य में बॉडी तथा अंत में समापन।	**1**
(v)	✓	✓	✓	इनका संबंध किसी खास अखबार से नहीं। भुगतान या माँग के आधार पर किसी भी अखबार के लिए लिख सकते हैं।	**1**
(ख)	✓	✓	✓	**आलेख** विषय वस्तु प्रभावी प्रस्तुति भाषा–शैली	**5 अंक** **2** **2** **1**
6.	✓	✓	✓	**फीचर** विषय वस्तु प्रभावी प्रस्तुति भाषा–शैली	**5 अंक** **2** **2** **1**
				खण्ड 'ग'	
7.	7.				**2x4 = 8**
(क)	✓	–	–	कविता कल्पना के पंखों के सहारे चिड़िया के समान दूर–दूर तक उड़ान भरती है, चाहे फिर वह असीमित आकाश हो या संपूर्ण प्रकृति।	**2**
(ख)	✓	–	–	चिड़िया के उड़ान की एक सीमा है किंतु कविता असीम है। कविता शाश्वत है,	**2**

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				चिड़िया नहीं, कविता कालातीत है। अतः चिड़िया कविता के पंख नहीं ले सकती।	
(ग)	✓	–	–	कविता लम्बे समय तक महकती रहती है। उसके भाव का सौंदर्य कभी भी समाप्त नहीं होता है जबकि फूल का खिलना तथा महकना एक निश्चित समय के दौरान होता है और उसके बाद वह मुरझा जाता है।	2
(घ)	✓	–	–	कविता शब्दों का खेल है जिसकी रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती किंतु चिड़िया और फूल का कार्यक्षेत्र सीमित है। कविता की उड़ान चिड़िया से बढ़कर और कविता की सुगंध फूल से बढ़कर है।	2
	अथवा –	–	–	**अथवा**	
(क)	✓	–	–	उच्च वर्ग, सम्पन्न समाज यानि शोषक वर्ग इन्हीं भव्य प्रासादों में रहकर सर्वहारा वर्ग पर अत्याचारों के षड्यंत्र रचता है तथा शोषक वर्ग गरीबों का खून चूसकर ऊँची अट्टालिकाएँ बनाता है।	
(ख)	✓	–	–	क्रांति की हुँकार सर्वहारा वर्ग से ही आती है, क्रांति के बीज कीचड़ में ही पनपते हैं और जल विप्लव भी कीचड़ को ही प्रभावित करता है।	
(ग)	✓	–	–	जिस प्रकार कीचड़ में जन्मा कमल जल की बूंदों से सुशोभित होता है, उसी प्रकार क्रांति का लाभ सर्वहारा वर्ग को ही प्राप्त होता है।	
(घ)	✓	–	–	जैसे सुकुमार शिशु रोग–शोक की व्यथा,	

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				बाधाओं के प्रति उदासीन रह कर हँसता–खेलता रहता है उसी प्रकार भोले भाले शोषित जन भी क्रांति के कष्टों और दुखों से बेखबर रहते हैं।	
7. (क)	–	7. ✓	–	बात प्रभावहीन होना। कथ्य और भाषा में सामंजस्य न रहना। मात्र शब्दों का जाल बनकर रहना।	
(ख)	–	✓	–	भाव को गलत शब्दों और भाषा से अभिव्यक्त कर देना। भाषा के बलात प्रयोग से भाव की आत्मा की हत्या करना।	
(ग)	–	✓	–	कवि ने भाषा की सुंदरता को बढ़ाने के चक्कर में अपनी बात कहनी चाही परन्तु वह इस कार्य में सफल नहीं हो सका और अंत में उसने जबरदस्ती शब्दों का प्रयोग किया, इससे कविता का बाहरी सौंदर्य तो दृष्टिगत हुआ किंतु भाव की आत्मा खत्म हो गई।	
(घ)	–	✓	–	भावनाओं को व्यक्त करने के लिए आडंबरपूर्ण, भारी भरकम शब्दावली का प्रयोग न कर सहज–सरल व्यावहारिक भाषा का प्रयोग करना चाहिए।	
7.		**अथवा**		**अथवा**	
(क)	–	✓	–	भावातिरेक के कारण नाम देने में असमर्थ। आराध्य के प्रति अटूट संबंध तथा प्रत्येक स्थिति उसी की देन मानना।	
(ख)	–	✓	–	कवि जितनी अभिव्यक्ति करता है, भाव उतने ही अधिक पैदा होते हैं। भावों की प्रेरणा का स्रोत असीमित और अतल है।	

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				भाव इतने अधिक हैं कि अभिव्यक्ति संभव नहीं है।	
(ग)	–	✓	–	झरना–निर्मलता, निरंतरता, शाश्वतता एवं नित्यता का प्रतीक है। भाव मधुर हैं, मन को प्रिय हैं, प्रकृति से मोहक हैं। मीठे पानी का सोता है।	
(घ)	–	✓	–	प्रेयसी, पत्नी, माँ या ईश्वर में से किसी एक को माना जा सकता है। इन सबका शाश्वत रूप उसके मन में विद्यमान रहता है जो उसे आनंदित करता है।	
7.			7.		
(क)	–	–	✓	तुलसी के समय में समाज की स्थिति दयनीय थी, चारों तरफ दरिद्रता, आर्थिक अभाव के कारण सामाजिक मान्यताएँ बदल रही थीं और परंपराएँ टूट रही थीं।	
(ख)	– —————	–	✓	सभी पेट के बारे में चर्चा करते थे, गुणों की तरफ किसी का भी ध्यान नहीं जाता। पेट भरने के लिए स्वयं उसके अनुरूप गुण रचना कर लेते थे, उदर पूर्ति के लिए कठिन कार्यों को करते थे, यहाँ तक कि पहाड़ों पर भी चढ़ जाते तथा सारा दिन भटकते रहते।	
(ग)	–	–	✓	लोग गरीबी के कारण कठिन से कठिन कार्य करने के लिए धर्म और अधर्म का भी ध्यान नहीं रखते थे, यहाँ तक कि पेट भरने के लिए बेटा–बेटी को बेचने को तैयार हो जाते थे।	
(घ)		–	✓	पेट की आग बुझाने के लिए एक मात्र	

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				माध्यम राम रूपी घनश्याम को माना है क्योंकि राम–भक्ति सबका उद्धार कर सकती है।	
			अथवा	**अथवा**	
(क)	–	–	✓	कागज का एक पृष्ठ चौकोर खेत की तरह दिखाई देता है। कागज पर काव्य रचना तथा खेत में बीजारोपण किया जाता है।	
(ख)	–	–	✓	कवि के अनुसार कल्पना रूपी रसायन इस कागज रूपी खेत में बीज रूप में समाहित हो गया, उससे शब्द रूपी अंकुर प्रस्फुटित हुए। दूसरी ओर किसान खेत में बीज बो कर रसायन डालकर फसल तैयार करता है।	
(ग)	–	–	✓	बीज शब्द रूपी फल बनकर पेड़ पर सुशोभित होता है तथा पुनः बीज बनकर उपजता है। इस प्रकार उसकी रसधारा अनंतकाल तक विद्यमान रहती है।	
(घ)	–	–	✓	कवि ने कविता को रस का अक्षय पात्र माना है क्योंकि कविता का रस कभी समाप्त नहीं होता है, वह सनातन है।	
8.					**2x3 = 6** अंक
(क)	✓	–	–	करम धरम अधरम करि, बेचत बेटा–बेटकी।	**1+1 = 2**
(ख)	✓	–	–	राम–घनश्याम। राम रूपी बादल सबके पेट की आग बुझा सकते हैं।	**1+1 = 2**
(ग)	✓	–	–	तत्सम प्रधान ब्रजभाषा, कवित्त छंद, अभिधात्मक शैली, पदमैत्री (**किन्हीं दो का उल्लेख**)	**1+1 = 2**

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				अथवा	
	अथवा	–	–		
(क)	✓	–	–	कवि और संसार की विचारधारा में भिन्नता है। ''और'' शब्द दो वाक्यों को जोड़ने का काम करता है। यहाँ 'और' का एक अर्थ भिन्नता का बोध भी कराता है।	**1+1 = 2**
(ख)	✓	–	–	'मैं बना बना कितने' 'जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा', 'प्रति पग से उस पृथ्वी को।'	**1+1 = 2**
(ग)	✓	–	–	कवि धन से सम्पन्न संसार की परवाह नहीं करता। पृथ्वी (संसार, पैसा बटोरने वाला) जग पृथ्वी की चिंता करता है पर कवि नहीं। वह तो जग को स्वयं बनाता मिटाता है।	**1+1 = 2**
8.		8.			
(क)	–	✓	–	सूर्योदय के ठीक पहले पल–पल में परिवर्तन, भोर का नभ – नीला शंख, राख से लीपा चौका, काली सिल – ये सब एक सुंदर शब्द चित्र का निर्माण करते हैं।	**1+1 = 2**
(ख)	–	✓	–	प्रातः नभ था नीला शंख जैसे। सुबह का नीला आकाश शंख के समान प्रतीत होता है।	**1+1 = 2**
(ग)	–	✓	–	सुबह का आकाश राख से लीपे हुए चौके के समान गहरा नीला दिखाई दे रहा है जो अभी गीला है। लीपे चौके के कथन से उसकी पवित्रता का और गीलेपन से ताजगी, नवीनता का बोध।	**1+1 = 2**
8.					
(क)	–	**अथवा** ✓	–	खड़ी बोली का स्वाभाविक प्रयोग, सरल–सहज भाषा, मिश्रित शब्दावली एवं	**1+1 = 2**

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				गेयता, लाक्षणिकता।	
(ख)	–	✓	–	स्नेह–सुरा में रूपक अलंकार। स्नेह रूपी अमृत का पान।	**1+1 = 2**
(ग)	–	✓	–	'स्नेह–सुरा' में 'स' वर्ण की आवृत्ति, कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ में 'क' वर्ण की आवृत्ति से अनुप्रास अलंकार। प्रेम के नशे का संकेत।	**1+1 = 2**
8.			8.		
(क)	–	–	✓	ब्रज भाषा, सरल सहज व प्रवाहमयी, सवैया छंद। (**किन्हीं दो** का उल्लेख)	**1+1 = 2**
(ख)	–	–	✓	'रजपूत कहौ जोलहा कहौ–कोऊ', 'बेटी सों बेटा न ब्याहब'	**1+1 = 2**
(ग)	–	–	✓	जाति, धर्म एवं सम्प्रदाय के ठेकेदारों पर व्यंग्य, स्वाभिमानी व्यक्तित्व, निर्भीकता, तत्कालीन समाज की झलक।	**1+1 = 2**
8.				**अथवा**	
(क)	–	–	✓	स्वाभिमान, आत्मसम्मान का सूचक, स्वयं के कर्म पर गर्व महसूस करना।	**1+1 = 2**
(ख)	–	–	✓	गरवीली गरीबी, विचार–वैभव, पल–पल में।	**1+1 = 2**
(ग)	–	–	✓	विचार–वैभव। विचार रूपी वैभव अर्थात श्रेष्ठ एवं दृढ़ विचारों का खज़ाना।	**1+1 = 2**
9.	9.	9.			**3+3 = 6 अंक**
(क)	(क)✓	(क)✓	–	आलंबन (किसी भी विषय का हो) मानव में उत्साह का संचार एवं उसकी गति को तीव्रता प्रदान करता है अन्यथा व्यक्ति शिथिल हो जाता है किन्तु कवि के जीवन में उस आलंबन का अभाव है। संसार में	**3**

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				उसका कोई भी नहीं है, इसी से कवि के कदमों में शिथिलता आ जाती है – यही शिथिलता उसके मन की व्याकुलता है।	
9. (ख)	✓	–	–	भाषा भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। यह एक साधन है, न कि साध्य। मानव अपनी अनुभूतियों को सहज रूप में व्यक्त कर सकते हैं परंतु कभी–कभी वे शब्दों के जाल में उलझकर रह जाते हैं। भाव के अनुरूप और उपयुक्त शब्द प्रयोग नहीं कर पाते। अतः कथ्य की अभिव्यक्ति भावानुकूल भाषा में होनी चाहिए।	**3**
(ग)	✓	–	–	नीला शंख, राख से लीपा हुआ गीला चौका, लाल खड़िया, सिल, स्लेट, नीला जल और गोरी युवती का नदी/सरोवर में स्नान आदि सभी उपमान गाँव से संबंधित हैं।	**3**
9. (ख)	–	9. (ख)✓	–	व्यावसायिकता के कारण संवेदनहीनता। संवाददाता अपनी तथा चैनल की प्रसिद्धि के लिए ऐसे प्रश्न पूछते हैं जिनसे विकलांग हतोत्साहित होते हैं। बार–बार शारीरिक कमजोरी के प्रश्न पूछकर उनकी आंतरिक संवेदनाओं से खिलवाड़ किया जाता है।	**3**
(ग)	–	(ग)✓	–	लक्ष्मण के प्रति आत्मीयता सर्वोच्च, सहोदर के सामने पत्नी, धनसंपत्ति तथा परिवार को महत्वहीन मानना।	**3**
9. (क)	–	–	9. ✓	माँ के द्वारा बच्चे का हवा में झुलाना, घुटनों पर बिठाकर नहलाना, कंघी करना, कपड़े पहनाना, चीनी के बने खिलौने, बच्चे को शीशे में चाँद दिखाना आदि।	**3**

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
(ख)	–	–	✓	तुलसीकालीन निर्धनों की दयनीय दशा आज भी किसानों में दिखाई देती है। खेती से कुछ भी न होने पर, ऋण न चुकाने पर, पारिवारिक दायित्व न निभा पाने पर उनके द्वारा आत्महत्या। आज भी इस स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं दिखाई देता। (भिन्न उत्तर भी संभव)	**3**
(ग)	–	–	✓	क्रांति का प्रतीक बादल सर्वहारा वर्ग को नवजीवन देने वाला, उनकी आकांक्षाओं को साकार करने वाला, वंचितों का पक्षधर। पूंजीपति वर्ग को अपनी सत्ता छिनने का तथा साम्राज्य बिखरने का डर नजर आता है। अतः सर्वहारा वर्ग उसका आह्वान करता है।	**3**
					2x4 = 8 अंक
10.	–	10.	10.		
(क)		✓	✓	बीज की बुआई से ही अन्न की उपज है। इन्द्रसेना पर पानी फेंकने से इन्द्र देवता का प्रसन्न होना। इन्द्र देवता की प्रसन्नता पर वर्षा का आगमन। पानी के आगमन से अच्छी फसल होना।	**2**
(ख)	✓	✓	✓	पूजा/उपासना और दान का परिचायक बादल पहले पृथ्वी को जल देता है फिर उसे पृथ्वी से वाष्प रूप में जल ग्रहण का अवसर मिलता है। दान देने से कभी कोई वस्तु घटती नहीं है अपितु कई गुणा मिलती है, दान से मानव जाति का कल्याण होता है।	**2**
(ग)	✓	✓	✓	व्यक्ति विशेष का अच्छा आचरण समाज के लिए आदर्श बन जाता है। आदर्श पुरुष	**2**

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				जिस मार्ग पर चलता है, वही मार्ग अनुकरणीय है। जैसे महात्मा और विवेकानन्द। अन्य उदाहरण भी संभव।	2
(घ)	✓	✓	✓	सामान्यतः कहा जाता है राजा अच्छा होगा तो प्रजा उसका अनुकरण करेगी किंतु यहाँ इसके विपरीत कथन को भी महत्वपूर्ण माना है। प्रजा जैसा चाहेगी राजा/शासन व्यवस्था को भी मानना पड़ेगा।	2
10.	—————	**अथवा——**	—————	**अथवा**	
(क)	✓	✓	✓	मलेरिया और हैजा से पीड़ित, मरणासन्न गाँव वालों के लिए रात्रि का शांत वातावरण निस्तब्ध था। सियार और पेचक की डरावनी आवाज शांति भंग तो अवश्य करती थी, परन्तु भयानकता में वृद्धि करती थी।	2
(ख)	✓	✓	✓	रुग्ण और भूखे बच्चों की आवाज निर्बल, उनका क्रंदन धीमा और दूसरी ओर रात्रि की निस्तब्धता भयानक। रात्रि की भयानकता की तुलना में बच्चों की आवाज निर्बल थी।	2
(ग)	✓	✓	✓	कुत्ते का मनोविज्ञान प्रबल, उसे इन्सान के सुख–दुख की समझ। वे जानते हैं कि गाँव में महामारी फैली है और वे पशु होते हुए भी इसे समझ पा रहे हैं।	2
(घ)	✓	✓	✓	पहलवान की ढोलक अपनी आवाज से रात्रि की भीषणता को ललकारती थी। 'पटक दे–उठाकर पटक दे' ढोलक की यह आवाज मरणासन्न रोगियों में कुछ देर के	2

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				लिए चेतना का संचार करती, बीमारी से लड़ने की शक्ति तथा सहनशीलता में वृद्धि करती थी।	
11.	11.	11.	11.		**3x4 = 12 अंक**
(क)	✓	✓	✓	पिता के विद्रोह की मार्मिक व्यथा, मायके में विमाता का भेदभाव पूर्ण व्यवहार, तीन कन्याओं को जन्म देना, पति की मृत्यु, ससुराल वालों द्वारा जायदाद छीनने की कोशिश, बड़ी लड़की का विधवा होना, पंचायत का विचित्र फैसला।	**3**
(ख)	✓	✓	✓	बाजार शैतान का जाल। बाजार अपनी ओर आकर्षित करता है, रूप दिखाकर मोहता है, चाह जगाने वाला, असंतोष जगाने वाला। बाजार हमेशा उपभोक्ता पैदा करता है और उपभोक्ता उसके आकर्षण में व्यर्थ की वस्तुएँ खरीद लेता है।	**3**
(ग)	✓	✓	✓	परित्यक्ता, स्टेज अभिनेत्री का बेटा, भयावह गरीबी, माँ का पागलपन, औद्योगिक क्रांति, सामंतशाही तथा पूंजीवादी समाज की दुत्कार, खानाबदोश नानी, कदम–कदम पर बाधाएँ और संघर्षमय जीवन।	**3**
(घ)	✓	✓	✓	शिरीष, अवधूत और गाँधी तीनों स्थिर प्रकृति वाले, धैर्यशील, लोक के लिए चिंतारत, अजेय, संघर्षशील, संन्यासी के समान त्यागी, कर्त्तव्य–परायण तथा भारतीय मूल्यों के संरक्षक। परिस्थिति के अनुसार कोमलता अथवा कठोरता धारण करना।	**3**
(ङ)	✓	✓	✓	आदर्श समाज की स्थापना में बाधक तत्त्व	

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				– जाति प्रथा, दासता, असमानता, पराधीनता, बंधुत्व का अभाव, तकनीकी विकास का अभाव, कानूनी पराधीनता, पैतृक व्यवसाय अपनाना आदि हैं जिन्हें मिटाकर आदर्श समाज की स्थापना संभव, समाज में गतिशीलता और प्रत्येक वर्ग को समान अवसर एवं सभी के हितों की रक्षा।	**3**
12. (क)	12. (क)✓	–	–	ए.एस.एस. द्वारा बुलावे पर काँपते हुए अज्ञातवास में जाने के लिए वस्तुएँ समेटते हुए भी ऐन तेज हवाओं से युक्त गहरी साँवली बरसात की रात एवं बादलों की लुका–छिपी का आनंद ले रही थी। प्रकृति से साक्षात्कार से उसकी इच्छा शक्ति का बढ़ना और मंत्रमुग्ध होना।	**2+3 = 5 अंक** **2**
(ख)	(ख)–	–	–	काव्य रचना में रुचि पैदा करने के लिए अध्यापक का योगदान – अध्यापक के साथ कविता गायन, ताल, छंद, लय, गति और यति आदि को लेखक का ध्यान से सुनना, लेखक द्वारा कविता गायन एवं अभिनय करना, बड़ी कक्षा के बच्चों के सामने लेखक को कविता सुनाने के लिए प्रेरित करना, लेखक की काव्य रचना देखकर शाबासी देना आदि।	**3**
12. (क)	13. (क)✓	12. (क)✓	12. (क)✓	संयुक्त परिवार का बिखरना, पीढ़ी दर पीढ़ी का अंतर, सहकर्मियों से दूरी बनाना, आदर्शों का कम होना, पाश्चात्य जीवन शैली का प्रभाव। बदलाव उचित नहीं क्योंकि भारतीय संस्कृति के प्रति उदासीनता। (अन्य तर्क भी संभव)	**3**

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
(ख)	(ख)✓	(ख)✓	(ख)✓	यशोधर बाबू की पत्नी ने इन सामाजिक मूल्यों में बदलाव को स्वीकार कर लिया – फैशन करना, क्लबों/पार्टियों में जाना, परम्परावादी विचारों का विरोध करना, संयुक्त परिवार पर प्रश्न चिह्न लगाना।	**2**
13. (क)	–	13. (क)✓	–	जुझारू प्रवृत्ति, संघर्षशीलता, परिस्थितियों को अपने अनुरूप बनाना, आत्मविश्वासी, कर्मण्यता – **किन्हीं तीन पर चर्चा**	**3**
(ख)	–	(ख)✓	–	महाकुंड स्तूप एवं टीले के पास, चालीस फुट लंबा, पच्चीस फुट चौड़ा और सात फुट गहरा, दक्षिण की ओर सीढ़ियाँ, उत्तर दिशा में आठ स्नानागार, गली का नाम दैवमार्ग – **किन्हीं दो का उल्लेख**	**2**
13. (क)	–	–	13. (क)✓	'जूझना', संघर्ष करना उसके जीवन का मुख्य स्वभाव, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता, कर्मण्यता, विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी मेहनत के आधार पर जीत प्राप्त करना – ये सब आज के युवक समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।	**3**
(ख)	–	–	(ख)✓	पीटर में धार्मिकता के प्रति अनुराग का अभाव, अधिक खाना, बहुत घुन्ना होना, ऐन को अपने अंतर के रहस्य की जानकारी न देना अर्थात प्रेम व्यक्त नहीं करना आदि।	**2**
14.	14.	–	–	मुक्त उत्तर संभव। विचारों की मौलिकता के आधार पर मूल्यांकन करें।	**5 अंक**
	अथवा	–	–	**अथवा**	
				मुअनजो–दड़ो की नगर योजना अनूठी एवं अद्‌भुत, दुनिया के लिए बेमिसाल, अद्‌भुत	

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				नक्काशी, चौड़ी व सीधी सड़कें, बाहर निकलने के लिए अद्‌भुत व्यवस्था, चबूतरों पर खड़े होकर शहर के सौंदर्य को देखना। सड़क के दोनों ओर घर परन्तु सड़क की ओर किसी भी घर का दरवाजा नहीं खुलता, सभी घर सड़क की ओर पीठ करके बनाए गए। आधुनिक काल में भारत में केवल ऐसी योजना चंडीगढ़ नगर में दिखाई देती है, जो कार्बूजिए ने बनाई। अन्यत्र इस शैली का अभाव दिखाई देता है।	
14.	–	14.	–	ऐन की डायरी इतिहास का महत्वपूर्ण दस्तावेज ऐतिहासिक घटनाओं के आधार पर माना जाता है। ऐतिहासिक घटनाएँ – अज्ञातवास में जाना, युद्ध के अवसर पर बिजली, राशन का अभाव, टर्की (तुर्की) की तटस्थता की घोषणा, ब्रिटेन से हॉलैण्ड को मुक्त कराने के प्रयास, हिटलर का सैनिकों से साक्षात्कार, युद्ध के समय यहूदियों पर ढाए गए जुल्म आदि के बारे में जानकारी।	**5**
	–	**अथवा**	–	**अथवा** यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की विशेषताएँ – कर्मठ एवं परिश्रमी – सब्जी, दूध, राशन लाना तथा अन्य काम। संवेदनशील – रिश्तों के प्रति संवेदनशील एवं भावुक, किशनदा का अनौपचारिक सम्मान। परम्परावादी – परंपराओं एवं मर्यादाओं पर विश्वास, सेवानिवृत्त होने के पश्चात् पैतृक गाँव लौटने की इच्छा।	

प्रश्न सं.	2/1	2/2	2/3	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
				संस्कारी – आदर्श भारतीय संस्कृति के पुजारी, सुख–दुख में सहयोग।	
14.	–	–	14.	महिलाओं को पुरुषों के बराबर सम्मान एवं अधिकार प्राप्त हों, पुरुष प्रधान परिवार के साथ–साथ नारी को भी प्रधानता, महिलाओं में पुरुषों के समान बुद्धि और क्षमता, महिलाओं को भी सैनिकों के समान सम्मानित एवं पुरस्कृत करना जिस प्रकार युद्ध में सैनिक अत्यधिक दुख एवं यंत्रणा से गुजरते हैं उससे भी अधिक स्त्रियाँ बच्चे के जन्म के समय पीड़ा सहन करती है।	**5**
	–	–	**अथवा**	**अथवा** वहाँ के खेतों में राजस्थान जैसी हरियाली, बाजरे–ज्वार की खेती, राजस्थान के कुलधरा गाँव की स्मृति, दीवार खिड़कियों, छज्जे राजस्थान की तरह, पीले पत्थरों वाला गाँव कुलधरा खूबसूरत था परन्तु राजा एवं स्थानीय व्यक्तियों की तकरार के कारण वीरानगी और घरों का खंडहर में तब्दील हो जाना।	

	—				